वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमएआरजे 01

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौडा हैं।

खंड- स

नोट: नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा 400 **सूं** 500 **सबद है। हरैक प्रश्न** 16 **अंक रौ है।** **16 × 2 = 32**

प्रश्न 1 राजस्थानी रै प्राचीन गद्य साहित्य री ओळखांण करावो।

अथवा

वचनिका अर दवावैत साहित्य पर सारगर्भित लेख लिखो।

प्रश्न 2 राजस्थानी उपन्यास साहित्य री विकास जातरा नै समझावो।

अथवा

राजस्थानी कांणी साहित्य री परम्परा रौ लेखो-जोखौ करो।

प्रश्न 3 उपन्यास रै तत्वां रै मुजब 'मैवे रा रूंख' उपन्यास री समीक्षा करो।

अथवा

'माटी री महक' कांणी संग्रै में राजस्थानी समाज अर संस्कृति रौ लूंठो चित्रण मिळै है? कथन री पुस्टि न्यांरी-न्यांरी कहाण्यां रै आधार माथै करो।

प्रश्न 4 डॉ. मनोहर शर्मा रै निबन्ध साहित्य री जाणकारी दिरावो।

अथवा

राजस्थानी नाटक साहित्य री विकास जातरा नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 5 **राजस्थानी वचनिका साहित्य री परम्परा नै सोदाहरण समझावो।**

अथवा

आधुनिक राजस्थानी गद्य विधावां री विकास जातरा नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 6 ''मेवै रा रूंख'' उपन्यास में चित्रित भांत-भांत सामाजिक समस्यावां नै उजागर करो।

अथवा

'माटी री महक' कांणी संग्रै री किणी अेक कांणी री समीक्षा प्रस्तुत करो।

प्रश्न 7 उपन्यास रै तत्वां मुजब 'धोरा रा धोरी' उपन्यास री समीक्षा करो।

अथवा

राजस्थानी कहाणी री परम्परा नै समझावो।

प्रश्न 8 राजस्थानी कहाणी में करणीदान बारहठ रै योगदान नै स्पस्ट करो।

अथवा

राजस्थानी निबन्ध साहित्य मे डॉ. मनोहर शर्मा रै योगदान नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 9 राजस्थानी रै कलात्मक गद्य साहित्य नै समझावो।

अथवा

पीढियावली, वंसावळी अर गुर्वावली आद गद्य विधावां री जाणकारी दिरावो।

प्रश्न 10 यात्रा-वृतान्त साहित्य री जाणकारी दिरावो।

अथवा

'हूँ गोरी किण पीव री' उपन्यास री समीक्षा प्रस्तुत करो।

प्रश्न 11 'मेवै रा रूंख' उपन्यास राजस्थानी समाज रौ जीवतो जागतो चितराम है ?

अथवा

श्री करणीदान बारहठ कनै बात कैवण रौ सांतरो आंटो है ? इण कथन रै आधार माथै 'माटी री महक' कांणी संग्रै री किणी एक कांणी री समीक्षा करो।

प्रश्न 12 श्री लाल नथमल जोसी रौ राजस्थानी उपन्यास में योगदानन स्पस्ट करो।

अथवा

आधुनिक राजस्थानी निबन्ध साहित्य में डॉ. कल्याणसिंह शेखावत रौ योगदान स्पस्ट करो।